26 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU | PIB | THE FINANCIAL EXPRESS | ET Economic Times.com | live mint | AIR | The Indian EXPRESS Journalism of Courage

Date: 26 Apr. 2024

Important News Articles

1. लिथियम प्रसंस्करण: चीन पर निर्भरता कम करने हेतु भारत की विभिन्न देशों के साथ चर्चा - इंडियन एक्सप्रेस
2. लोकसभा चुनाव - 2024: आदर्श आचार संहिता (MCC) के उल्लंघन पर चुनाव आयोग नोटिस - इंडियन एक्सप्रेस
3. सुप्रीम कोर्ट ने NJAC को पुनर्जीवित करने वाली याचिका को खारिज किया - द हिंदू
4. हौथी विद्रोहियों द्वारा दागी गई मिसाइल को अमेरिकी युद्धपोत ने नष्ट किया - द हिंदू
5. केन्द्र ने 2,000 टन सफेद प्याज के 'तत्काल' निर्यात की अनुमति दी- द हिंदू
6. भारत का सेमीकंडक्टर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम: ICEA - द हिंदू
7. खाद्य पदार्थों की कीमतें में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव - द हिंदू
8. IP: अमेरिका ने भारत को 'प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में शामिल किया -द हिंदू

Editorials, Gists and Explainers

9. महिलाओं के लिए चाइल्डकैअर अवकाश एक संवैधानिक अधिकार: सुप्रीम कोर्ट- इंडियन एक्सप्रेस
10. वैश्विक शिपिंग उद्योग में भारतीय नाविकों की भूमिका - द हिंदू

Quick Look

1. बैथिमेट्री
2. Phi-3-Mini
3. ATACMS
4. इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशन कमेटी ऑन प्लास्टिक पॉल्यूशन
5. खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट (GRFC) 2024

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन।

1. लिथियम प्रसंस्करण: चीन पर निर्भरता कम करने हेतु भारत की विभिन्न देशों के साथ चर्चा - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: दुनिया भर में प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप सहित); विश्व के विभिन्न हिस्सों (भारत सहित) में प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों की स्थिति के लिए जिम्मेदार कारक।

प्रीलिम्स टेकअवे
- कोबाल्ट
- लिथियम

समाचार:
- मामले से परिचित **चार सूत्रों** ने कहा कि **भारत** अपने **नवजात लिथियम खनन** और **इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों** को मजबूत करने और चीन पर भरोसा करने से बचने के लिए **लिथियम प्रसंस्करण** पर **तकनीकी** मदद के लिए साझेदारी की तलाश में कई देशों के साथ बातचीत कर रहा है।

मुख्य बिंदु
- **भारत** के **खान मंत्रालय** ने पिछले वर्ष **ऑस्ट्रेलिया** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** के साथ **चर्चा** शुरू की थी
- **भारत सरकार** और कुछ **निजी कंपनियों** ने **बोलीविया, ब्रिटेन, जापान** और **दक्षिण कोरिया** से भी मदद मांगी है।
- एक **लिथियम खनन उद्योग** विकसित करने के लिए जो अपने **घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन (EV)** उद्योग के लिए **बैटरी** के लिए **रासायनिक फीडस्टॉक** प्रदान कर सकता है जो इसके **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** और **तेल निर्भरता** में कटौती करने में मदद कर सकता है।
- **भारत** को **लिथियम** को **संसाधित** करने के लिए **प्रौद्योगिकी** की **आवश्यकता** है और हम **अन्य देशों** के साथ **सहयोग** करना चाहते हैं जिनके पास कुछ अनुभव है
- **प्रसंस्करण संयंत्रों** के अभाव में, **भारतीय कंपनियाँ** संभवतः **लिथियम अयस्कों** को **चीन** ले जाएंगी और **संसाधित धातु** को **भारत** वापस लाएँगी
- **पड़ोसी** और **प्रतिद्वंद्वी चीन** दुनिया की **लिथियम प्रसंस्करण क्षमता** का लगभग **दो-तिहाई हिस्सा** है।
- **सरकार** के शीर्ष नीति **थिंक-टैंक नीति आयोग** ने **लिथियम प्रसंस्करण संयंत्र** स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन की सिफारिश की है।
- **नीति आयोग** के अनुसार, **भारत** के **बैटरी उद्योग** को **वर्ष 2030** तक वार्षिक **56,000 मीट्रिक टन लिथियम** कार्बोनेट की आवश्यकता होगी।

महत्वपूर्ण खनिज:
- **पहचान** : भारत ने स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और उर्वरक सहित विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक 30 महत्वपूर्ण खनिजों की पहचान की है।
- **महत्व** : ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों और राष्ट्रीय विकास को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों और नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती मांग इन संसाधनों की बड़े पैमाने पर जरूरतों को उत्पन्न करती है।
- **वैश्विक मांग** : जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के कारण महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक मांग आसमान छूने की उम्मीद है, जिससे भारत के लिए सामरिक योजना और संसाधन सुरक्षा महत्वपूर्ण हो जाएगी।

चुनौतियाँ और चिंताएँ:
- **एकाग्रता** : महत्वपूर्ण खनिज भंडार कुछ देशों, मुख्य रूप से चीन, में भारी मात्रा में केंद्रित हैं, जो असमान वितरण और प्रसंस्करण क्षमताओं के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में कमजोरियां पैदा कर रहे हैं।
- **चीनी प्रभुत्व** : महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी को परिष्कृत करने में चीन का प्रभुत्व अपने एकाधिकार के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीकी प्रगति को प्रभावित करने की क्षमता के बारे में चिंता पैदा करता है।
- **डिपेंडेंसी रिस्क**: भारत के महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य विशेष रूप से बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए महत्वपूर्ण खनिजों पर बहुत अधिक निर्भर हैं।
- अन्य देशों के साथ समझौतों के माध्यम से संसाधनों को सुरक्षित करने के प्रयासों के बावजूद, भारत आयात पर बहुत अधिक निर्भर है, जिससे घरेलू उद्योगों और तकनीकी प्रगति के लिए चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं।

सामान्य अध्ययन II

2. लोकसभा चुनाव - 2024: आदर्श आचार संहिता (MCC) के उल्लंघन पर चुनाव आयोग नोटिस - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: कार्यपालिका और न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली - सरकार के मंत्रालय और विभाग; दबाव समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा राजनीति में उनकी भूमिका।

प्रीलिम्स टेकअवे
- MCC
- ECI

समाचार:
- **राजनीतिक दलों** को उनके **स्टार प्रचारकों** द्वारा कथित **आदर्श आचार संहिता (MCC)** के उल्लंघन के लिए **चुनाव आयोग** का पहला नोटिस ऐसी शिकायतों के प्रति संस्थान की प्रतिक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

मुख्य बिंदु
- अतीत में, **चुनाव आयोग** ने **राजनीतिक दलों** को सामान्य परामर्श भेजे हैं, लेकिन जब भी किसी **व्यक्ति** के **विरुद्ध आदर्श आचार संहिता** के **उल्लंघन** की **शिकायत** होती है, तो नोटिस पार्टी के बजाय उस व्यक्ति को भेजा जाता है।
- हालांकि, इस बार **चुनाव आयोग** ने **स्टार प्रचारकों** के खिलाफ **शिकायतों** पर **राजनीतिक दलों** को नोटिस भेजा है।
- नोटिस में, यह रेखांकित किया गया है कि **व्यक्तिगत स्टार प्रचारक** अपने स्वयं के **भाषणों** के लिए जिम्मेदार हैं और **चुनाव आयोग**, "**केस-दर-केस**" आधार पर, **राजनीतिक दलों** को उनके **प्रचारकों** द्वारा किसी भी **MCC उल्लंघन** के लिए जवाबदेह ठहरा सकता है।
- **चुनाव आयोग** के रुख में बदलाव **हाई-प्रोफाइल राजनीतिक नेताओं** की पृष्ठभूमि में अधिक महत्वपूर्ण है, जिन्हें अतीत में **MCC उल्लंघनों** के लिए **आयोग** द्वारा सीधे नोटिस भेजा गया है।
- हालाँकि, यह ध्यान रखना उचित है कि आज तक किसी भी मौजूदा **प्रधानमंत्री** को **MCC उल्लंघन** की **शिकायत पर नोटिस** जारी नहीं किया गया है।

आदर्श आचार संहिता
- **वर्ष 1968** में सभी **राजनीतिक दलों** द्वारा **आदर्श आचार संहिता** पर सहमति व्यक्त की गई थी ।
- **निष्पक्ष चुनाव** और **समान अवसर सुनिश्चित** करने के लिए चुनाव आयोग ने पहली बार **वर्ष 1991** में **आदर्श आचार संहिता** का प्रभावी ढंग से उपयोग किया।
- जैसे ही संहिता लागू होती है, **केंद्र या राज्य** में **सत्ता** में रहने वाली **पार्टी** को यह **सुनिश्चित** करना चाहिए कि वह प्रचार के लिए अपनी **आधिकारिक स्थिति** का उपयोग न करे।
- **पार्टी** को **चुनावों** में जीत की **संभावनाओं** को बेहतर बनाने के लिए **सरकारी खजाने** की कीमत पर विज्ञापन देने या उपलब्धियों पर प्रचार के लिए **आधिकारिक जन मीडिया** का उपयोग करने से भी बचना चाहिए।
- **सत्तारूढ़ दल प्रचार** के लिए **सरकारी परिवहन** या **मशीनरी** का भी उपयोग नहीं कर सकता है।
- मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पहले **48 घंटे** की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना भी निषिद्ध है। **48 घंटे** की अवधि को "**इलेक्शन साइलेंस** " के रूप में जाना जाता है।
- **MCC स्वतंत्र** और **निष्पक्ष चुनाव** सुनिश्चित करने के **ECI** के अभियान के हिस्से के रूप में विकसित हुआ और प्रमुख **राजनीतिक दलों** के बीच आम सहमति का परिणाम था।
- इसे कोई वैधानिक समर्थन नहीं है।
- दूसरे शब्दों में, **MCC** का **उल्लंघन** करने वाले किसी भी **व्यक्ति के खिलाफ संहिता** के किसी भी **खंड** के तहत **कार्रवाई** नहीं की जा सकती। **चुनाव आयोग** अपने प्रवर्तन के लिए **नैतिक मंजूरी** या **निंदा** का उपयोग करता है।

3. सुप्रीम कोर्ट ने NJAC को पुनर्जीवित करने वाली याचिका को खारिज किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: न्यायपालिका की संरचना, संगठन और कार्यप्रणाली

प्रीलिम्स टेकअवे
- NJAC
- कोलेजियम प्रणाली

समाचार:
- **सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री** ने **न्यायिक नियुक्तियों** की **कॉलेजियम प्रणाली** को समाप्त करने और **राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)** को **पुनर्जीवित** करने की **याचिका** को **स्वीकार** करने से **इनकार** कर दिया है।

मुख्य बिंदु:

- **सुप्रीम कोर्ट** के **रजिस्ट्रार** ने कहा कि **कॉलेजियम प्रणाली** को पहले ही बरकरार रखा जा चुका है, जबकि **NJAC** को **संविधान पीठ** ने **अक्टूबर 2015** में रद्द कर दिया था।
  - इस फैसले के खिलाफ समीक्षा याचिका को भी अदालत ने **वर्ष 2018** में खारिज कर दिया था।

कॉलेजियम प्रणाली:

- यह **न्यायाधीशों** की **नियुक्ति और स्थानांतरण** के लिए बनाया गया एक तंत्र है।
- यह **द्वितीय** और **तृतीय न्यायाधीशों** के मामले के निर्णयों के माध्यम से अस्तित्व में आया।
- ऐसा कोई **कानून** या **संवैधानिक** प्रावधान नहीं है जो कॉलेजियम प्रणाली का उल्लेख या परिभाषित करता हो।
- सुप्रीम कोर्ट **कॉलेजियम** का नेतृत्व **भारत** के **मुख्य न्यायाधीश** करते हैं और इसमें **सुप्रीम कोर्ट** के **चार** अन्य **वरिष्ठतम न्यायाधी**श शामिल होते हैं।
- इस बीच, **उच्च न्यायालय कॉलेजियम** का नेतृत्व उसके **मुख्य न्यायाधीश** और उस **उच्च न्यायालय** के **चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश** करते हैं।

NJAC :

- 99वें **संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2014** और **राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति अधिनियम, 2014** में एक **राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC)** बनाने का प्रस्ताव किया गया।
  - **NJAC** को **उच्च न्यायपालिका** में **न्यायाधीशों** की नियुक्ति के लिए **कॉलेजियम प्रणाली** को बदलने के लिए एक **स्वतंत्र आयोग** माना जाता था।
- **NJAC** ने **न्यायिक नियुक्तियों** में **सरकार** को **बराबर** की भूमिका दी आयोग में **6 सदस्यों** को शामिल करने का प्रस्ताव था:
  - पदेन अध्यक्ष के रूप में भारत के मुख्य न्यायाधीश
  - सर्वोच्च न्यायालय के दो वरिष्ठतम न्यायाधीश पदेन सदस्य होंगे
  - पदेन सदस्य के रूप में केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री
  - नागरिक समाज के दो प्रतिष्ठित व्यक्ति।

4. हौथी विद्रोहियों द्वारा दागी गई मिसाइल को अमेरिकी युद्धपोत ने नष्ट किया - द हिंदू

प्रासंगिकता: विकसित और विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव, भारतीय प्रवासी।

प्रीलिम्स टेकअवे

- अदन की खाड़ी
- हौथिस

समाचार:

- **अदन की खाड़ी** में यात्रा कर रहे एक **जहाज** पर **हमला** हुआ, **गाजा पट्टी** में **हमास** के खिलाफ **इजरायल** के चल रहे **युद्ध** को लेकर **यमन** के **हौथी विद्रोहियों** द्वारा **संभवत: नवीनतम हमला** किया गया।
- यह हमला मित्र देशों के **युद्धपोत** द्वारा एक दिन पहले उसी **क्षेत्र** के पास एक जहाज को निशाना बनाकर की गई **हौथी मिसाइल** को मार गिराने के बाद हुआ है।

मुख्य बिंदु:

- यह हमला **गाजा पट्टी** में **हमास** के खिलाफ **इजराइल** के चल रहे युद्ध के दौरान क्षेत्र में **शिपिंग** पर अपेक्षाकृत कम वि**द्रोही हमलों** के बाद हुआ है।
- **हौथिस** ने नवंबर से अब तक **नौवहन** पर **50** से अधिक हमले किए हैं, एक जहाज को जब्त कर लिया है और दूसरे को डुबो दिया है।
- **खतरे** के कारण **लाल सागर** और **अदन** की **खाड़ी** के **माध्यम** से **शिपिंग** में गिरावट आई है।

हौथी समुदाय:

- **यमन** में **हौथिस** एक **सशस्त्र धार्मिक** और **राजनीतिक आंदोलन** है।
- हौथिस ज़ायदी शिया मुस्लिम हैं।
- ये **यमन** में **अल्पसंख्यक** हैं, जो मुख्य रूप से **सुन्नी मुस्लिम** हैं, लेकिन कुल आबादी का **एक तिहाई हिस्सा** बनाते हैं।
- इसके सदस्य **उत्तरी यमन में ज़ैदीस के लिए क्षेत्रीय स्वायत्तता** की वकालत करते हैं।
- **हौथिस** ने सितंबर 2014 में **यमनी राजधानी सना** पर कब्ज़ा कर लिया और वर्ष 2016 तक **उत्तरी यमन** के अधिकांश हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया।
- यह आंदोलन अपने घोर **अमेरिकी-विरोधी** और **यहूदी-विरोधी** बयानबाजी के लिए जाना जाता है।
- समूह के कई **नेताओं** को **संयुक्त राज्य अमेरिका** द्वारा **आतंकवादी** के रूप में नामित किया गया है।

युद्ध प्रभावित यमन:

- **संयुक्त राष्ट्र** के अनुसार, **यमन** अब **दुनिया** का सबसे **बड़ा मानवीय संकट** है, **इसकी 80% आबादी** सहायता और सुरक्षा पर निर्भर है।
- **लाल सागर** को **अदन की खाड़ी** से जोड़ने वाली **जलडमरूमध्य** पर **यमन** का स्थान **वैश्विक तेल शिपमेंट** के लिए महत्वपूर्ण है।
- **भारत** के सबसे महत्वपूर्ण **शिपिंग मार्ग अदन की खाड़ी** से होकर गुजरते हैं, जिससे हर साल **50 अरब डॉलर का आयात** और **60 अरब डॉलर** का निर्यात होता है।

सामान्य अध्ययन III

5. केन्द्र ने 2,000 टन सफेद प्याज के 'तत्काल' निर्यात की अनुमति दी- द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- विदेश व्यापार महानिदेशालय
- कृषि निर्यात

समाचार:

- **केंद्र सरकार** ने **प्याज निर्यात** पर **अनिश्चितकालीन प्रतिबंध** में फिर से आंशिक छूट दी है ।
- **तीन नामित बंदरगाहों** से मुख्य रूप से **गुजरात** में उगाए जाने वाले **2,000 टन सफेद प्याज** के **तत्काल निर्यात का मार्ग प्रशस्त** हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- **विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT)** द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि **सफेद प्याज** के निर्यात की अनुमति दी जाएगी।
- **गुजरात** के बागवानी **आयुक्त निर्यात** की जाने वाली **वस्तु** और **मात्रा** को प्रमाणित करते हैं।

DGFT:

- यह एक **सरकारी संगठन** है जो **देश** के **भारतीय आयातकों** और **भारतीय निर्यातकों** के लिए **एक्ज़िम दिशानिर्देश** और **सिद्धांत** तैयार करने के लिए जिम्मेदार है।
- यह **वाणिज्य** और **उद्योग मंत्रालय** का एक **संलग्न कार्यालय** है और इसका नेतृत्व **विदेश व्यापार महानिदेशक** करते हैं।
- यह **भारतीय निर्यातकों** और **आयातकों** को कोड नंबर प्रदान करता है **IEC** नंबर **भारत** में **आयात** और निर्यात के **उद्देश्य** से **व्यापारियों** या **निर्माताओं** द्वारा आवश्यक **10 अंकों** का एक **अद्वितीय कोड** है।

प्याज का सबसे बड़ा उत्पादक

- **चीन** के बाद **भारत प्याज** का दूसरा **सबसे बड़ा उत्पादक** है।
- महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु प्रमुख **प्याज उत्पादक राज्य** हैं।
- **वर्ष 2021-22** में **प्याज उत्पादन** में महाराष्ट्र **42.53%** की हिस्सेदारी के साथ पहले **स्थान** पर है, उसके बाद **15.16%** की हिस्सेदारी के साथ **मध्य प्रदेश** है।

वैश्विक व्यापार अनुसंधान पहल (GTRI):

- **भारत** की **कृषि-निर्यात टोकरी** केवल **पांच वस्तुओं** पर निर्भर है, जिससे यह क्षेत्र **वैश्विक कीमतों** और **मांग** में **उतार-चढ़ाव** के प्रति संवेदनशील है।
- ये पांच उत्पाद बासमती चावल, गैर-बासमती चावल, चीनी, मसाले और ऑयल मील भारत के **कुल कृषि** निर्यात का **51.5 प्रतिशत** हिस्सा हैं।

6. भारत का सेमीकंडक्टर विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम: ICEA - द हिंदू

प्रासंगिकता- प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

प्रीलिम्स टेकअवे

- डिज़ाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना
- इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी

समाचार :

- **चीन** का **सेमीकंडक्टर** उद्योग **भूराजनीतिक** तनाव के कारण **निवेशकों** को झिझक का सामना करना पड़ रहा है, **भारत** को **अवसरों** का लाभ उठाना चाहिए।

मुख्य बिंदु:

- **घरेलू स्तर पर पंजीकृत इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (IP)** का उपयोग करने के लिए **बेहतर स्थानीय धन उगाह**ने के **अवसरों** और **प्रोत्साहन** के साथ **सेमीकंडक्टर डिजाइन** पहल को **प्रोत्साहित** किया जाना चाहिए।
- **हाईटेक** और **सेमीकंडक्टर** के लिए क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है।
- हालाँकि भारत में दुनिया के **20% सेमीकॉन इंजीनियर** हैं, लेकिन कोई भी **IP भारत** के पास नहीं है
  - **इंजीनियर भारत** से **वैश्विक फर्मों** के लिए काम करते हैं, जो **अमेरिका** या अन्य जगहों पर **IP** पंजीकृत करते हैं।
  - प्रमुख **क्षेत्रों** में **IP** के **घरेलू पंजीकरण** के लिए **प्रोत्साहन** की **आवश्यकता** है।
- **ICEA** ने **लो-टेक चिप्स** में **चीन** के अत्यधिक निवेश, **वैश्विक कीमतों** में **गिरावट** और उन पर **शोध** करने के लिए **निवेश** की **भूख** पर प्रकाश डाला, जबकि **निवेशकों** के लिए **जल्दी** बाहर निकलने के साथ **आसान फंडिंग** तक पहुंच बनाने वाली पहल शुरू की है।

सेमीकंडक्टर: डिज़ाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना

- **सेमीकंडक्टर** सभी **इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों** के **केंद्र** में हैं और **सामग्री** के बिल में एक **महत्वपूर्ण हिस्सेदारी** रखते हैं
- **डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI)** योजना का उद्देश्य **सेमीकंडक्टर डिज़ाइन** के **विकास** और **तैनाती** के **विभिन्न चरणों** में **वित्तीय प्रोत्साहन** के साथ-साथ **डिज़ाइन इंफ्रास्ट्रक्चर** का समर्थन प्रदान करना है।
  - **5 वर्षों** की अवधि में **इंटीग्रेटेड सर्किट, चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप्स, सिस्टम** और **IP कोर** और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिज़ाइन आदि का समर्थन प्रदान करना है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** ने **सेमीकंडक्टर डिजाइन** में शामिल **घरेलू उद्योग** में **विकलांगताओं** को दूर करने के लिए **डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI)** योजना की घोषणा की है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स** और **सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के तहत संचालित एक वैज्ञानिक सोसायटी **सी-डैक** (उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र) **DLI योजना** की **नोडल एजेंसी** है।

7. खाद्य पदार्थों की कीमतें में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव - द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- बजट
- वित्त मत्रांलय

समाचार:

- **वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रगति** की राह पर है और **प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं** में **विकास** में तेजी देखी जा रही है और **भू-राजनीतिक जोखिमों** के बारे में **जोखिम धारणाएं** कम हो रही हैं।
- **भारत** का **आर्थिक प्रदर्शन शानदार** रहने के **बावजूद विकास** की **संभावना** बढ़ रही है और **मार्च** के लिए इसके प्रमुख **संकेतक घरेलू आर्थिक परिदृश्य** में उछाल को दर्शाते हैं।

मुख्य बिंदु:

- **भारत** की **खाद्य मुद्रास्फीति** पिछले महीने कम होकर **8.5%** हो गई।
- **मुख्य मुद्रास्फीति** , जिसमें **खाद्य** और **ऊर्जा** की कीमतें शामिल नहीं हैं, कम होकर **3.3%** हो गई
- हालाँकि, **दिसंबर 2023** से **कच्चे तेल** की **कीमतों** में मजबूती आई है, जो **आंशिक** रूप से **पश्चिम एशिया** और **OPEC+** देशों में बढ़ते तनाव के कारण है।
- **भारत** का **विदेशी मुद्रा भंडार 645.6 अरब डॉलर** के **सर्वकालिक उच्चतम** स्तर पर पहुंच गया है ।

भारतीय विकास सांख्यिकी:

- **मैक्रो-इकोनॉमिक फ्रेमवर्क स्टेटमेंट 2024-25 में** कहा गया है कि **वित्त वर्ष 2023-24** की **राष्ट्रीय आय** के पहले **अग्रिम अनुमान** के अनुसार, **भारत** की **वास्तविक GDP 7.3 प्रतिशत** बढ़ने का अनुमान है।
- **IMF** के अनुसार, **भारत वर्ष 2027** में **बाजार विनिमय दर** पर **तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बनने की संभावना है।
- इसका यह भी अनुमान है कि **वैश्विक विकास** में **भारत** का योगदान **5 वर्षों में 200 आधार** अंक बढ़ जाएगा।

इकोनॉमिक ऑप्टिमिसम के कारक:

- **पूंजीगत व्यय:** भारतीय पूंजीगत व्यय लगातार बढ़ रहा है और उम्मीद है कि यह इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक क्षेत्रों में विकास को गति प्रदान करेगा।
- **मानसून:** IMD ने इस मानसून में 106% बारिश की उम्मीद की है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है।
- **ऋण वृद्धि:** सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (ASCB) की ऋण वृद्धि 2022 की शुरुआत से तेज हो रही है।

- **अर्थव्यवस्था का औपचारिकीकरण:** भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से औपचारिक हो रही है जिससे उच्च कर उछाल और कर संग्रह हो रहा है।
- **सरकारी पहल:** पीएम गति शक्ति, जन धन योजना, आयुष्मान भारत जैसे कार्यक्रमों ने भारत को व्यापक विकास प्रदान किया है।

चुनौतियाँ और अवसर:

- **भारत** को **विकसित देशों** की बराबरी करने के लिए अपनी **अर्थव्यवस्था विकसित** करते हुए **वैश्विक जलवायु** संकट से निपटना होगा।
- **भारत** को अधिक **समावेशी** और **पर्यावरणीय रूप** से **सततविकास** के लिए प्रगति का एक **नया प्रतिमान** खोजना होगा।
- **भारत** के **नीति निर्माताओं** को **भारतीय मांगों** के आधार पर **नीतियां विकसित** करनी चाहिए
- ग्रामीण भारत नवप्रवर्तन और विकास के अवसर प्रदान करता है।
- **भारत** को अपनी **ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा** को पूरा करने के लिए **वैश्विक संकट** को सावधानीपूर्वक संतुलित करना चाहिए।

8. IP: अमेरिका ने भारत को 'प्रायोरिटी वॉच लिस्ट में शामिल किया -द हिंदू

प्रासंगिकता: आईटी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अधिकारों से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में जागरूकता।

प्रीलिम्स टेकअवे
- ट्रिप्स (TRIPS)
- विशेष रिपोर्ट 301

समाचार:

- **अमेरिका** ने **भारत** को एक बार फिर **देशों** की '**प्रायोरिटी वॉच लिस्ट** ' में शामिल किया है।
- **आईपी सुरक्षा** और प्रवर्तन से संबंधित **कथित समस्याओं** के लिए **चीन, रूस, वेनेजुएला** और **तीन अन्य** के साथ, आने वाले वर्ष के दौरान इस मामले पर विशेष रूप से **गहन द्विपक्षीय भागीदारी** होगी।

मुख्य बिंदु:

- **ट्रेडमार्क उल्लंघन जांच** और **पूर्व-अनुदान विरोध कार्यवाही** के मुद्दों को संबोधित करने में **अमेरिका -भारत व्यापार नीति फोरम** के तहत प्रगति हुई है।
- **अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि** की विशेष **301 रिपोर्ट** के अनुसार, कई लंबे समय से चली आ रही चिंताएँ बनी हुई हैं।
- **अपर्याप्त IP** प्रवर्तन, जिसमें **ऑनलाइन चोरी** की **उच्च दर** और व्यापार रहस्यों की रक्षा के लिए अपर्याप्त कानूनी साधन शामिल हैं।
- **भारत** ने कहा कि वह **ट्रिप्स (TRIPS)** के तहत उल्लिखित सभी **प्रोटोकॉल** का पालन करता है।

ट्रिप्स (TRIPS)

- **इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बौद्धिक संपदा) अधिकारों** के **व्यापार-संबंधित** पहलू यह एक **अंतरराष्ट्रीय समझौता** है जो **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** रूपरेखा का हिस्सा है।
- **वैश्विक स्तर** पर **इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (IP)** अधिकारों के लिए **सुसंगत और मानकीकृत नियम स्थापित** करने के लिए **ट्रिप्स (TRIPS)** की स्थापना की गई थी।
- यह सुनिश्चित करना कि सदस्य देशों के पास **पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क** और **व्यापार** रहस्य सहित **इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बौद्धिक संपदा)** के **विभिन्न रूपों** की सुरक्षा के लिए एक सामान्य रूपरेखा है।

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (बौद्धिक संपदा) अधिकारों के प्रकार

इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अधिकारों के मुख्य प्रकारों में शामिल हैं:

- **कॉपीराइट** :
  - कॉपीराइट मूल साहित्यिक, कलात्मक और रचनात्मक कार्यों, जैसे किताबें, संगीत, पेंटिंग, मूर्तियां, फिल्में और सॉफ्टवेयर की सुरक्षा करता है।
- **पेटेंट:**
  - पेटेंट आविष्कारों की रक्षा करते हैं और आविष्कारक को आविष्कार बनाने, उपयोग करने और बेचने के लिए एक निर्दिष्ट अवधि (आमतौर पर 20 वर्ष) के लिए विशेष अधिकार प्रदान करते हैं।
- **ट्रेडमार्क** :
  - ट्रेडमार्क किसी विशेष व्यवसाय की वस्तुओं या सेवाओं की पहचान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले विशिष्ट संकेतों, प्रतीकों, नामों और लोगो की सुरक्षा करते हैं।

- **व्यापार के रहस्य** :
  - व्यापार रहस्य मूल्यवान और गोपनीय व्यावसायिक जानकारी, जैसे कि सूत्र, प्रक्रियाएँ, विधियाँ, ग्राहक सूची और तकनीकी जानकारी की रक्षा करते हैं
- **औद्योगिक डिज़ाइन** :
  - औद्योगिक डिज़ाइन उत्पादों के दृश्य सजावटी पहलुओं, जैसे उनके आकार, रंग, बनावट और सौंदर्यशास्त्र की रक्षा करते हैं।
- **भौगोलिक संकेत (GI)** :
  - GI उन उत्पादों की रक्षा करते हैं जिनकी एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति होती है और उनमें उस उत्पत्ति के कारण गुण, प्रतिष्ठा या विशेषताएं होती हैं।
- **पौधों की किस्में** :
  - पादप विविधता संरक्षण प्रजनकों को उनके द्वारा विकसित की जाने वाली नई पादप किस्मों पर विशेष अधिकार प्रदान करता है।
- **सुई(Sui) जेनेरिस सिस्टम:**
  - कुछ देशों ने स्वदेशी और स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान, लोककथाओं और आनुवंशिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए अद्वितीय प्रणालियाँ स्थापित की हैं।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

9. महिलाओं के लिए चाइल्डकैअर अवकाश एक संवैधानिक अधिकार: सुप्रीम कोर्ट- इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप और उनके डिजाइन और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

समाचार:

- **CJI** ने टिप्पणी की **कार्यबल** में **महिलाओं** की **भागीदारी** सिर्फ **विशेषाधिकार** का मामला नहीं है बल्कि एक **संवैधानिक अधिकार** है।

मुख्य बिंदु:

- संविधान का अनुच्छेद 15 न केवल लैंगिकता के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है बल्कि राज्यों को महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान बनाने में भी सक्षम बनाता है।
- यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी दर के बारे में चिंता व्यक्त की गई है और राज्य और केंद्र सरकारों ने भुगतान किए गए कार्यों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए बाल देखभाल सेवाओं की आवश्यकता को स्वीकार किया है।
- IMF ने श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की समान भागीदारी के माध्यम से भारत की GDP में 27 प्रतिशत के संभावित विचलन की भविष्यवाणी की है।

महिलाओं की श्रम शक्ति में गिरती भागीदारी:

- भारत में महिला कार्यबल की भागीदारी बमुश्किल 37 प्रतिशत है।
- PLFS 2022 में कहा गया है कि 60 प्रतिशत महिलाएं स्व-रोज़गार हैं और 53 प्रतिशत स्व-रोज़गार महिलाएँ अवैतनिक पारिवारिक सहायक के रूप में काम करती हैं।
- ये श्रम बाजार में अवसरों की कमी और दोनों को संतुलित करने के लिए घर के पास या घर पर लचीले रोजगार का विकल्प चुनने के परस्पर जुड़े हुए परिणाम हैं।
- दीर्घकालिक रुझानों से पता चलता है कि भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर हैरान करने वाली रही है और भागीदारी दर में व्यापक लैंगिक अंतर भी बना हुआ है।

महिला कार्यकर्ताओं के प्रति सहानुभूति:

- महिलाओं के पास घर के काम, देखभाल के काम और वैतनिक कार्यों का भार अकेले ही संभालने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।
- सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाली महिलाओं पर अधिक भार होता है।
  - कामकाजी महिलाओं को अक्सर विवाह और मातृत्व के रूप में दंड का सामना करना पड़ता है क्योंकि इनके कारण उन्हें अक्सर अस्थायी रूप से कार्यबल से हटने के लिए मजबूर होना पड़ता है।
- संविधान राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान बनाने में सक्षम बनाता है।
  - सामाजिक सुरक्षा पर श्रम संहिता, 2020 ने क्रेच को लैंगिक-तटस्थ अधिकार बना दिया।
  - यह सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लैंगिक-तटस्थ प्रावधान ने देखभाल को "माता-पिता" की जिम्मेदारी के रूप में रेखांकित किया।
  - हालाँकि, यह पात्रता 50 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों के कर्मचारियों तक ही सीमित थी।
- इसके अलावा, राष्ट्रीय क्रेच योजना के तहत क्रेच कम वित्तपोषित और संख्या तथा उपयोग में सीमित रहे।
- मिशन शक्ति परियोजना के तहत, "पालना योजना" शुरू की गई, इसने राज्य सरकारों को स्टैंडअलोन क्रेच खोलने या आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रेच में बदलने का विकल्प प्रदान किया।
  - हालाँकि, एक प्रतिबद्ध बजट के साथ पहल को संस्थागत बनाने की आवश्यकता है।

- चाइल्डकैअर को राज्य, नियोक्ताओं और समुदायों की सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में देखे जाने की आवश्यकता है।
  - **श्रम बाजारों** को **महिलाओं** को **प्राथमिक** कमाने वाला मानने और उन्हें **पूर्ण रोजगार** लेने में सक्षम बनाने की आवश्यकता है।
  - उन देशों में **उच्च महिला श्रम बल भागीदारी** का प्रमाण है जहां **अवैतनिक देखभाल कार्य** जिम्मेदारियां समान रूप से साझा की जाती हैं।
  - **महिलाओं** के **अवैतनिक देखभाल कार्य** में कमी **महिलाओं की श्रम बल भागीदारी** दर में **10 प्रतिशत अंक** की वृद्धि से संबंधित है।

10. वैश्विक शिपिंग उद्योग में भारतीय नाविकों की भूमिका - द हिंदू

प्रासंगिकता: प्रासंगिकता: भारत से जुड़े और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह और समझौते।

प्रसंग:

- **भारत** ने **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (IMO)** की **कानूनी समिति (LEG)** के **111वें** सत्र में **तीन दस्तावेज़** प्रस्तुत किए गए है।

मुख्य बिंदु

- ये प्रस्तुतियाँ नाविकों की सुरक्षा, अनुबंध की शर्तों और व्यापक समुद्री सुरक्षा चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करती हैं।
- समुद्री खतरों से निपटने के लिए IMO के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, भारत ने विभिन्न समुद्री खतरों से निपटने के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया है
  - समुद्री डकैती, सशस्त्र डकैती, चरमपंथी हमले, क्षेत्रीय संघर्ष, और ड्रोन हमले और समुद्री हथियारों के उपयोग जैसे उभरते जोखिम आदि जिसमें शामिल हैं

समुद्री डकैती

- अपहरण सहित सोमालिया के तट पर हाल के समुद्री डाकू हमले, समुद्री डकैती के पुनरुत्थान का संकेत देते हैं।
- भारत ने नाविकों के हित और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अवैध भर्ती गतिविधियों के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला है।
- वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण समुद्री उद्योग काफी हद तक नाविकों पर निर्भर करता है, जिन्हें अक्सर चुनौतियों और जोखिमों का सामना करना पड़ता है।

अधिकारों पर एक भारतीय पहल

- जवाब में, भारत सरकार और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने 'समुद्र में मानवाधिकार' पहल शुरू की है।
- रिपोर्टों से नाविकों को विदेशी जेलों में बंद किए जाने, विदेशी जलक्षेत्र में फंसे होने और अवैध हिरासत में रखे जाने के मामले सामने आए हैं।
- 'ह्यूमन राइट्स एट सी' ने भारतीय नाविकों के खिलाफ दुर्व्यवहार को उजागर किया है, जिनमें 200 विदेशी जेलों में बंद हैं और 65 इंडोनेशिया में 151 दिनों से फंसे हुए हैं।
- NHRC ने विदेशी पंजीकरण के तहत काम करने वाले भारतीय नाविकों के खिलाफ उल्लंघन के लिए जहाज मालिकों को जिम्मेदार ठहराने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला है
  - टैक्स से बचने के लिए और समुद्री उद्योग में मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हितधारकों और तंत्रों के बीच सक्रिय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया है।
- वाणिज्यिक जहाजों पर हाल के हमलों ने भारतीय नाविकों के बीच सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है, कुछ लोग सुरक्षा भय के कारण अपनी नौकरी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। यह सरकारी समर्थन और उन्नत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है।

फैक्ट फटाफट

1. बैथिमेट्री

- यह महासागरों, नदियों, झीलों और झरनों में पानी की गहराई का अध्ययन और मानचित्रण है।
- बाथमीट्रिक मानचित्र स्थलाकृतिक मानचित्रों के समान होते हैं, जो भूमि की विशेषताओं के आकार और ऊंचाई को दिखाने के लिए रेखाओं का उपयोग करते हैं।
- बाथिमेट्रिक मानचित्रों पर, रेखाएँ समान गहराई के बिंदुओं को जोड़ती हैं।
- बैथिमेट्री हाइड्रोग्राफी विज्ञान की नींव है, जो जल निकाय की भौतिक विशेषताओं को मापता है।
- हाइड्रोग्राफी में न केवल बाथमीट्री शामिल है, बल्कि तटरेखा का आकार और विशेषताएं भी शामिल हैं
  - जैसे ज्वार, धारा और लहरों की विशेषताएँ; और पानी के भौतिक और रासायनिक गुण आदि

2. Phi-3-Mini

- माइक्रोसॉफ्ट ने Phi-3 को खुले AI मॉडल के एक परिवार के रूप में वर्णित किया है जो उपलब्ध सबसे सक्षम और लागत प्रभावी छोटे भाषा मॉडल (SLM) हैं।
- माना जाता है कि Phi-3 -मिनी उन तीन छोटे मॉडलों में पहला है जिन्हें माइक्रोसॉफ्ट जारी करने की योजना बना रहा है।
- कथित तौर पर इसने भाषा, तर्क, कोडिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में समान आकार के मॉडलों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

3. ATACMS

- ATACMS अमेरिका स्थित हथियार निर्माता लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित सबसे शक्तिशाली मिसाइल प्रणालियों में से एक है।
- यह सतह से सतह पर मार करने वाली तोपखाने हथियार प्रणाली है। इसकी सबसे बड़ी ताकत हमले की लंबी दूरी, क्लस्टर युद्ध सामग्री को फायर करने की क्षमता और हथियार प्रणाली की गतिशीलता है।
- ये मिसाइलें यूक्रेन के लिए 300 मिलियन डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज का हिस्सा थीं।
- ATACMS का एक मध्य-श्रेणी संस्करण है, जिसे ब्लॉक 1 कहा जाता है, और एक लंबी दूरी का संस्करण ब्लॉक 1A है।
- ATACMS ब्लॉक 1 की रेंज 165 किमी है और यूक्रेन को ये सिस्टम पिछले साल ATACMS ब्लॉक 1A प्रदान किया गया था
  - दूसरी ओर, आपके पास अधिकतम 300 किमी की सीमा है जो मौजूदा सेना के तोपों, रॉकेट और अन्य मिसाइलों की सीमा से कहीं अधिक लक्ष्य पर हमला करने में सक्षम है।

4. इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशन कमेटी ऑन प्लास्टिक पॉल्यूशन

- वर्ष **2022** में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के पांचवें सत्र में, समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी उपकरण (**ILBI**) विकसित करने के लिए एक ऐतिहासिक प्रस्ताव अपनाया गया था।
- प्रस्ताव में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (**UNEP**) के कार्यकारी निदेशक से "उपकरण" विकसित करने के लिए एक अंतर सरकारी वार्ता समिति (**INC**) पर सहमति देने का अनुरोध किया गया।
  - जो एक व्यापक दृष्टिकोण पर आधारित है जो प्लास्टिक के उत्पादन, डिजाइन और निपटान सहित उसके पूर्ण जीवन चक्र को संबोधित करता है।

- वैश्विक प्लास्टिक संधि का उद्देश्य जवाबदेही, जिम्मेदारियों, वित्तपोषण, सामग्री/रासायनिक मानकों, आयात/निर्यात प्रतिबंधों, लक्ष्यों के आसपास मानकों का एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना है।

5. खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट (GRFC) 2024

- यह खाद्य सुरक्षा सूचना नेटवर्क (FSIN) द्वारा प्रतिवर्ष जारी किया जाता है और ग्लोबल नेटवर्क अगेंस्ट फूड क्राइसिस द्वारा लॉन्च किया जाता है
  - एक बहुहितधारक पहल जिसमें संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, यूरोपीय संघ, अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य एजेंसी और खाद्य संकट से निपटने के लिए काम करने वाली गैर-सरकारी एजेंसियां शामिल हैं।
- इसमें 59 देशों में 2023 में 1.3 बिलियन की आबादी का विश्लेषण किया गया, लगभग 282 मिलियन लोगों को उच्च स्तर की तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा।
- वर्ष 2023 तीव्र खाद्य असुरक्षा से पीड़ित लोगों की संख्या में वृद्धि का लगातार पाँचवाँ वर्ष था
  - इसे तब परिभाषित किया जाता है जब आबादी को भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है जिससे जीवन या आजीविका को खतरा होता है, भले ही कारण या समय की अवधि कुछ भी हो।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. विश्व का लगभग तीन-चौथाई कोबाल्ट, इलेक्ट्रिक मोटर वाहनों के लिए बैटरियों के निर्माण के लिए आवश्यक धातु, का उत्पादन किसके द्वारा किया जाता है?

A. अर्जेंटीना
B. बोत्सवाना
C. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
D. कजाखस्तान

Q2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. चुनाव आयोग के पास स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों में वरिष्ठ अधिकारियों को स्थानांतरित करने का अधिकार है
2. "इलेक्शन साइलेंस " अवधि के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना भी प्रतिबंधित है।
3. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए LPG सुधार वर्ष 1991 के बाद संसद द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू की गई थी

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q3. कॉलेजियम प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. इसकी स्थापना 99वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा उच्च न्यायपालिका की नियुक्ति के लिए की गई थी।
2. सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नेतृत्व भारत के मुख्य न्यायाधीश करते हैं और इसमें सुप्रीम कोर्ट के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं।
3. संविधान में इसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है.

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन-I: ऑपरेशन राहत भारत द्वारा यमन के लिए एक मिशन था

कथन-II: यह यमन के लोगों को युद्ध से बचाने के लिए एक मानवीय मिशन था।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q5. भारत में निम्नलिखित में से किसे कृषि में सार्वजनिक निवेश माना जा सकता है?

1. सभी फसलों की कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना
2. प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कम्प्यूटरीकरण
3. बैंकिंग प्रणाली द्वारा कृषि ऋण माफ़ करना
4. सरकारों द्वारा कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं की स्थापना

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. केवल तीन
D. सभी चारों

Q6. डिज़ाइन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. इसका लक्ष्य 3 वर्षों से अधिक की अवधि के लिए सेमीकंडक्टर डिज़ाइन विकसित करना और तैनात करना है।
2. इसकी घोषणा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा की गई थी
3. सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग, इस योजना की नोडल एजेंसी है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q7. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत किए गए प्रावधानों के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. 'गरीबी रेखा से नीचे (BPL)' की श्रेणी में आने वाले परिवार ही सब्सिडी वाला खाद्यान्न प्राप्त करने के पात्र हैं
2. राशन कार्ड जारी करने के लिए घर की सबसे बुजुर्ग महिला, जिसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो, घर की मुखिया होगी।
3. गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद छह महीने तक प्रति दिन 1600 कैलोरी के 'टेक-होम राशन' की हकदार हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q8. IPR के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. बौद्धिक संपदा अधिकारों को मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 25 में उल्लिखित किया गया है
2. भारत ने IPR जागरूकता पैदा करने के लिए KAPILA कार्यक्रम शुरू किया है
3. विश्व नवाचार सूचकांक, 2023 में भारत 48वें स्थान पर है

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q9. पालना योजना के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. यह राज्य सरकारों को स्टैंडअलोन क्रेच खोलने या आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रेच में बदलने के विकल्प प्रदान करता है।
2. इसे पहले राष्ट्रीय क्रेच योजना के नाम से जाना जाता था।
3. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय इस योजना को लागू करता है

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार करें:

जलडमरूमध्य: जल निकाय

1. होर्मुज जलडमरूमध्य: फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी
2. जिब्राल्टर जलडमरूमध्य: भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर
3. मेसिना जलडमरूमध्य: टायरानियन सागर (पश्चिम में) और आयोनियन सागर

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही सुमेलित हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प C सही है

व्याख्या

- कोबाल्ट निम्न-कार्बन ऊर्जा प्रणाली में बदलाव के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में उभरा है, लेकिन धातु के भंडार केवल एक ही देश में भारी रूप से केंद्रित हैं।
- कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) दुनिया के आधे ज्ञात संसाधनों का घर है, और वर्तमान में वैश्विक उत्पादन का लगभग 70% हिस्सा है। **अतः विकल्प (C) सही उत्तर है।**
- इलेक्ट्रॉनिक सामानों में धातु का उपयोग, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के अन्य रूपों में उपयोग की जाने वाली रिचार्जेबल बैटरी का मतलब है कि इसमें रुचि बढ़ रही है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा प्रणाली का विद्युतीकरण गति पकड़ रहा है।

उत्तर : 2 विकल्प A सही है

व्याख्या

- चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के 48 घंटों के भीतर, चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को विभिन्न राज्यों में कई वरिष्ठ अधिकारियों को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया, चुनाव आयोग के पास स्थानांतरण करने का अधिकार नहीं है। **इसलिए, कथन 1 गलत है।**
- वर्ष 1968 में सभी राजनीतिक दलों द्वारा आदर्श आचार संहिता पर सहमति व्यक्त की गई थी।
- निष्पक्ष चुनाव और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए चुनाव आयोग ने पहली बार वर्ष 1991 में आदर्श आचार संहिता का प्रभावी ढंग से उपयोग किया।
- मतदान समाप्ति के लिए निर्धारित समय से पहले 48 घंटे की अवधि के दौरान सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना भी प्रतिबंधित है। 48 घंटे की अवधि को ""इलेक्शन साइलेंस" के रूप में जाना जाता है।। **अतः, कथन 2 सही है।**
- MCC स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के ECI के अभियान के हिस्से के रूप में विकसित हुआ और प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति का परिणाम था।
- इसका कोई वैधानिक समर्थन नहीं है. **इसलिए, कथन 3 गलत है।**

उत्तर : 3 विकल्प A सही है.

व्याख्या:

- 99वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) की स्थापना की, जिसे बाद में सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया। **कथन 1 गलत है**
- सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नेतृत्व भारत के मुख्य न्यायाधीश करते हैं और इसमें सुप्रीम कोर्ट के चार अन्य वरिष्ठतम न्यायाधीश शामिल होते हैं। **कथन 2 सही है**
- ऐसा कोई कानून या संवैधानिक प्रावधान नहीं है जो कॉलेजियम प्रणाली का उल्लेख या परिभाषित करता हो। **कथन 3 ग़लत है**

उत्तर : 4 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- ऑपरेशन राहत:
- अप्रैल 2015 में यमन से **4000 से अधिक भारतीय नागरिकों को** निकालने के लिए बड़े पैमाने पर हवाई और समुद्री अभियान चलाया ।
- अतः **कथन 1 सही है, कथन 2 गलत है।**

उत्तर : 5 विकल्प B सही है

व्याख्या:

कृषि में सार्वजनिक निवेश:

- प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का कम्प्यूटरीकरण, **कथन 2 सही है**
- सरकारों द्वारा कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं की स्थापना **कथन 4 सही है**
- सामाजिक पूंजी विकास
- हालाँकि, मुफ्त बिजली, MSP और ऋण माफी जैसी योजनाएँ निवेश नहीं बल्कि कृषि संकट को कम करने के तरीके हैं। **कथन 1 और 3 गलत हैं**

उत्तर : 6 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI) योजना का लक्ष्य 5 साल की अवधि में इंटीग्रेटेड सर्किट, चिपसेट, सिस्टम ऑन चिप्स, सिस्टम और आईपी कोर और सेमीकंडक्टर लिंक्ड डिजाइन के लिए सेमीकंडक्टर डिजाइन के विकास और तैनाती के विभिन्न चरणों में वित्तीय प्रोत्साहन के साथ-साथ डिजाइन बुनियादी ढांचे का समर्थन प्रदान करना है।. **कथन 1 गलत है.**

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सेमीकंडक्टर डिजाइन में शामिल घरेलू उद्योग में विकलांगताओं को दूर करने के लिए डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (DLI) योजना की घोषणा की है। **कथन 2 सही है.**
- सी-डैक (उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत संचालित एक वैज्ञानिक सोसायटी, DLI योजना की नोडल एजेंसी है। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 7 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार प्राथमिकता वाले परिवारों को TPDS के तहत कवर किया जाना है, साथ ही मौजूदा अंत्योदय अन्न योजना के तहत भी शामिल किए जाने वाले परिवार हैं। **इसलिए, कथन 1 गलत है**
- राशन कार्ड जारी करने के लिए घर की सबसे बुजुर्ग महिला, जिसकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो, घर की मुखिया होगी। **अतः, कथन 2 सही है**
- गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को गर्भावस्था के दौरान और बच्चे के जन्म के छह महीने बाद तक भोजन और मातृत्व लाभ 6,000 रुपये से कम नहीं होना चाहिए। **इसलिए, कथन 3 गलत है**

उत्तर : 8 विकल्प A सही है

व्याख्या:

- बौद्धिक संपदा अधिकारों को मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा के अनुच्छेद 27 में उल्लिखित किया गया है। **कथन 1 ग़लत है.**
- भारत ने IPR जागरूकता पैदा करने के लिए कपिला कार्यक्रम, बौद्धिक संपदा साक्षरता और जागरूकता के लिए कलाम कार्यक्रम शुरू किया है। **कथन 2 सही है।**
- विश्व नवाचार सूचकांक, 2023 में भारत 40वें स्थान पर है । **कथन 3 गलत है।**

उत्तर : 9 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- मिशन शक्ति परियोजना के तहत, "पालना योजना" शुरू की गई, इसने राज्य सरकारों को स्टैंडअलोन क्रेच खोलने या आंगनवाड़ी केंद्रों को क्रेच में बदलने का विकल्प प्रदान किया। **कथन 1 सही है.**
- राष्ट्रीय क्रेच योजना को पालना योजना में बदल दिया गया है। **कथन 2 सही है.**
- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पालना योजना शुरू की है। **कथन 3 ग़लत है.**

उत्तर : 10 विकल्प C सही है

व्याख्या

- होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक जलडमरूमध्य है
- जिब्राल्टर की खाड़ी
- यह जलडमरूमध्य भूमध्य सागर और अटलांटिक महासागर के बीच एकमात्र संबंध है
- मेसिना जलडमरूमध्य, जिसका एक हिस्सा ऊपर चित्रित है, टायरानियन सागर (पश्चिम में) और आयोनियन सागर (पूर्व में) को जोड़ता है **इसलिए सभी जोड़े सही हैं**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India Power To Empower

G20 भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA